

धौंसू व्यवहार [बुलिंग] को पहचानना

धौंसू व्यवहार स्पष्ट या गुप्त हो सकता है – कई बार यह पहचानना कठिन हो सकता है। यदि आपका बच्चा धौंसू व्यवहार का शिकार है या उसका व्यवहार दूसरों के लिए धौंसू है यह निश्चित करने में निम्न प्रश्न आपके लिए सहायक हो सकते हैं:

- क्या आपका बच्चा बुरे व्यवहार की शिकायत करता है?
- क्या आपने बदले हुए व्यवहार का अवलोकन किया है?
- अनिद्रा? चिंता? भूख न लगना?
- क्रोध की भड़ास? सुबह बीमार रहना?
- भाई-बहनों के प्रति अधिक आक्रामक?
- क्या आपका बच्चा घर से निकलने के लिए अनिच्छित या डरता है, स्कूल जाने का रास्ता बदलना चाहता है या स्कूल से छुट्टी करना चाहता है?
- क्या आपका बच्चा कारणों से अनभिन्न होते हुए स्कूल छोड़ना चाहता है?
- क्या आपका बच्चा फटे कपड़ों, [शरीर पर] व्याख्यारहित नील, नये कपड़े, अन्य वस्तुएं या बिना पैसे के या पैसे लापता करके घर आता है?
- क्या आपका बच्चा अन्य विद्यार्थियों के व्यवहार के विरुद्ध ऐसा कुछ करने के बारे में बात करता है जिससे आपके बच्चे के प्रति आनुशासिक कार्य हो सकता है?
- क्या आपके बच्चे के अंक आश्चर्यजनक रूप से कम हो गए हैं?



साधन

ब्रिटिश कोलम्बिया के स्कूलों को सुरक्षित रखने के लिए मिनिस्ट्री ऑफ एजुकेशन तथा इसके शैक्षणिक सहभागियों ने नीतियों को विकसित करने के निमित्त स्कूलों तथा माता-पिता के लिए विभिन्न सामान [साधन] प्रदान किये हैं।

सुरक्षित, देखरेख युक्त तथा सुव्यवस्थित स्कूलों की वैबसाइट:
www.bced.gov.bc.ca/sco/resources.htm

खोजिए:

- सेफ़, केअरिंग एंड ओर्डरली स्कूल्ज़: ए गाइड
- डायवर्सिटी इन बीसी स्कूल्ज़: ए फ़्रेमवर्क
- बीसी पफ़ौमैस स्टैंडर्ड्ज़ फ़ॉर सोशल रिस्पॉसिबिलिटी
- प्रोविंशियल स्टैंडर्ड्ज़ फ़ॉर कोड ऑफ़ कौंडक्ट
- सेफ्टी एंड इंटरनेट
- कॉल इट सेफ़ - धौंसू व्यवहार को पहचानने तथा उसके प्रति कार्यवाई करने के लिए माता-पिता को प्रदान की गई गाइडें जो कि बीसी कौन्फेडरेशन ऑफ़ एड्वाइज़री काउंसिल (बी सी सी पी ए सी) द्वारा विकसित की गई हैं।

बी सी सी पी ए सी पक्षसमर्थन [एडवोकेसी] योजना
माता-पिता तथा बीसी के स्कूल संस्थान में बी सी सी पी ए सी बच्चों व युवाओं के लिए पक्ष समर्थन प्रदान करती है।
1-888-351-9834 या www.bccpac.bc.ca

हिंसा के विरुद्ध युवा [फोन] लाइन
वाई ए वी लाइन बच्चों, युवाओं, माता-पिता को गुप्त सहायता व जानकारी प्रदान करती है। 1-800-680-4264
या info@youthagainstviolenceline.com

धौंसू जमाना सीखा जाने वाला व्यवहार है जो कि अधिक सकारात्मक व्यवहार में बदला जा सकता है।



धौंसू, क्लेशदायक व भयपूर्ण व्यवहार से बच्चों को सुरक्षित रखना



ज्ञान-प्राप्ति के लिए सुरक्षित वातावरण की स्थापना के लिए एकसाथ कार्यरत

कक्षा किंडरगार्टन – 12 वीं के विद्यार्थियों के माता-पिता के लिए एक गाइड



BRITISH
COLUMBIA

The Best Place on Earth

प्रत्येक को एक भूमिका निभानी है

विद्यार्थी अपने व्यवहार का उत्तरदायित्व लेकर और - साथ ही जब दूसरों के अधिकार या सुरक्षा खतरे में हो तो उसके बारे में बोल कर सहायता कर सकते हैं।

माता-पिता तथा परिवार बच्चों को दूसरों के प्रति देखरेख पूर्ण व्यवहार, अपने सहचर विद्यार्थियों से मिलकर रहना, क्रोध की भावनाओं को काबू करना, और बिना आक्रामक हुये दावे के साथ अपना व दूसरों का समर्थन करना सिखाकर सहायता कर सकते हैं।

यदि बच्चे स्वयं सुरक्षित सुरक्षित अनुभव नहीं करते या दूसरे [बच्चे] सुरक्षित नहीं हैं तो माता-पिता अपने बच्चों से इस बारे में बात कर सकते हैं कि सहायता कहाँ से मिलेगी।

माता-पिता अपने बच्चों को सक्रिय रूप से सुन सकते हैं और उन्हें अपनी चिंताओं के बारे में बात करने के लिए उत्साहित कर सकते हैं।

कई बार बच्चे व युवा चिन्तित करने वाली बातों के बारे में बात करने से हिचकिचाते हैं और [ऐसे में] समस्या की ओर इशारा करने और इस बारे में उनकी भावनाओं को शब्द देने की अपेक्षा हो सकती है।

समस्याओं के समाधान के लिये माता-पिता स्कूल के साथ मिलकर काम कर सकते हैं।

स्कूल विद्यार्थियों से संतोषजनक व्यवहार के लिए स्पष्ट रूप से व लगातार अपने विचार ज़ाहिर कर सकते हैं तथा उनके कर्मों के लिए उन्हें उत्तरदायी ठहरा सकते हैं।

अध्यापक पढ़ाकर तथा सामाजिक रूप से स्वीकृत उत्तरदायित्व पूर्ण व्यवहार स्वयं मॉडल बन कर सिखा सकते हैं, जैसे कि स्कूल समुदाय में योगदान देना, समस्याओं शान्तिपूर्वक ढंग से सुलझाना, विभिन्नता को महत्व देना तथा मानवीय अधिकारों की रक्षा करना।

स्कूल अपनी आचार संहिता में वर्णित व्यवहारात्मक अपेक्षाओं को बार-बार पढ़ाकर व सक्रियता पूर्वक प्रचारित कर सकते हैं।

एक स्वस्थ स्कूल-वातावरण में, विद्यार्थी व वयस्क एक अपनेपन की भावना का अनुभव करते हैं तथा सकारात्मक व सहकारी ढंग से स्वयं को एक दूसरे से संबन्धित पाते हैं।

जब विद्यार्थी अभिनन्दित, समर्थित व सुरक्षित अनुभव करते हैं, तो वे ज्ञान प्राप्ति के प्रति अधिक आकर्षित होते हैं।

स्कूल आचार संहिता

आयु के अनुसार स्वीकार्य व्यवहार तथा अस्वीकृत व्यवहार के परिणाम भी स्कूल आचार संहिता में अवश्य नियत होने चाहिए।

स्वीकार्य आचार के उदाहरण:

- अपना, दूसरों तथा स्कूल का सम्मान करना
- उद्देश्य पूर्ण ज्ञान-प्राप्ति में लीन होना
- इस प्रकार का व्यवहार करना कि स्कूल की प्रशंसा हो
- धौंस, क्लेशदायक या भयदायक स्थिति के बारे में किसी 'विश्वस्त' वयस्क को समय पर घसम्भव हो तो समय से पूर्व सूचित करना।

अस्वीकार्य आचार के उदाहरण:

- दूसरों की ज्ञान-प्राप्ति में बाधा डालना
- विध्वंसकारी होना
- स्कूल या स्कूल की सीमाओं के भीतर असुरक्षित हालात पैदा करना
- आमने सामने या इलैक्ट्रॉनिक संचार के द्वारा दूसरों पर धौंस जमाना, [उन्हें] सताना या भयभीत करना
- जिस व्यक्ति ने घटनाओं की सूचना दी हो उसके प्रति शारीरिक आक्रमण या बदला लेने की भावना दर्शाना

धौंस जमाने, क्लेशदेने या भयभीत करने के उदाहरण:

- गाली-गलौच करना, अशिष्ट छेड़छाड़ या उपहास करना
- चाँटा मारना, मारना, च्यूटी काटना, मुक्का मारना या टॉंग से मारना
- किसी तंग जगह में बंद कर देना
- अशिष्टता से छूना
- जातिवाद या नसली पक्षपात वाली गाली देना
- धमकी भरे रुक्के, पत्र, ईमेल, फोन या चुगली
- शब्दों, कार्यों या हथियारों या दीवारों पर चित्रण से धमकी देना
- अफवाहें फैलाना, चुगली करना या ग्रुप से निकाल देना
- धमकाने वाला या अपमानित करने वाला चित्रण करना
- पीछा करना या बलपूर्वक छीनना

उस स्कूल समुदाय में धौंस, क्लेशदायक या भयदायक स्थितियाँ बहुत कम हैं जहाँ व्यवहारात्मक अपेक्षाएँ [भलीभाँति] नियत की गई हैं व समझी गई हैं।

स्कूलों के पास एक साधन है जो कि विद्यार्थियों के सामाजिक उत्तरदायित्व की कोशिशों और उनके स्कूल के सामाजिक वातावरण को संवृद्ध करने के लिए मार्ग प्रदर्शित करता है। अध्यापकों, विद्यार्थियों तथा परिवारों को बीसी पफ़ॉर्मैस स्टैंडर्ड्स फ़ॉर सोशल रिस्पॉसिबिलिटी चार क्षेत्रों में विद्यार्थियों के विकास पर अपेक्षाओं का एक सामान्य ढांचा प्रदान करती है:

1 कक्षा व स्कूल समुदाय में सहयोग देना

- अभिनन्दनीय, मित्रवत्, दयालु व सहायक होना।
- कक्षा के क्रियाकलापों में इच्छापूर्वक भाग लेना तथा सहयोगिता से काम करना।
- अतिरिक्त उत्तरदायित्वों के लिये स्वयं सेवा करना।

2 विरोधों को शान्तिपूर्ण ढंगों से सुलझाना

- भावनाओं को ईमानदारी से व्यक्त करना, क्रोध की भावनाओं को उचित ढंग से संभालना तथा सम्मानपूर्वक सुनना।
- समानुभूति दिखाना तथा विचारों की भिन्नता को ध्यान में रखना।
- अन्तर्वैयक्तिक समस्याओं के शान्तिपूर्ण समाधान की कोशिश करना तथा यह जानना कि कब वयस्क की सहायता प्राप्त करनी है।

3 विभिन्नता को महत्व तथा मानवीय अधिकारों की रक्षा करना

- दूसरों के साथ उचित व सम्मान पूर्ण व्यवहार तथा निष्पक्ष व नैतिक होने की कोशिश करना।
- अन्याय को ठीक करने में रुचि दिखाना, तथा विभिन्नता के समर्थन तथा मानवीय अधिकारों की रक्षा के लिये अपने विचार देना व क्रियाशील होना।

4 लोकतन्त्रात्मक अधिकारों व कर्तव्यों का अभ्यास करना

- उत्तरदायित्व की बढ़ती हुई भावना को दिखाना तथा स्कूल के नियमों का पालन करना।
- सामुदायिक चेतना में प्रवृत्त होना तथा अपने व्यवहार के लिये जवाबदेह होना।
- संसार को सुधारने में सक्रिय होना।